एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 04, अंक: 01 (जनवरी-फरवरी, 2024)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

वानस्पतिक प्रवर्धन के माध्यम से गेंदे की नर्सरी तैयार करना

(*मयंक परिहार एवं पूजा साहू)
उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर
*संवादी लेखक का ईमेल पता: mayankparihar1997@gmail.com

गेंदा का वानस्पतिक नाम टैगेट्स इरेक्टा है और इसका परिवार एस्टेरसिया है एवं इसका उत्पत्ति स्थान मध्य अमेरिका तथा मैक्सिको है। भारत में गेंदा, सभी फूलों में क्षेत्रफल और उत्पादन की दृष्टि से पहले स्थान पर आता है और इसका क्षेत्रफल 42,880 हेक्टेयर तथा उत्पादन 360,210 मीट्रिक टन होता है।

भारत की मौसमी फूलों की फसलों में इसका प्रमुख स्थान है। इसका उपयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए बड़े पैमाने पर किया जाता है जैसे कि धार्मिक और सामाजिक आयोजनों के लिए माला बनाना, खुले फूलों के रूप में और बगीचे के परिदृश्य को बढ़ाने के लिए भी किया जाता है। इसकी खेती करना आसान है और यह विभिन्न जलवायु परिस्थितियों के लिए भी अनुकूल है, गेंदा साल भर फूल पैदा करने की क्षमता रखता है। इसके प्रचुर मात्रा में फूल आना, विपणन योग्य फूल खिलने का त्वरित समय, आकर्षक रंगों, आकृतियों और आकारों की विस्तृत श्रृंखला, साथ ही इसकी उत्कृष्ट दीर्घायु ने वाणिज्यिक फूल उत्पादकों को आकर्षित किया है।

गेंदे की फसल की खेती की व्यावसायिक विधि बीज प्रसार है। बीजों से उगाए गए पौधे ताकत, शीघ्रता और गुणवत्ता के संबंध में बहुत अधिक परिवर्तनशीलता दिखाते हैं । पूर्वज के समान पौधे बीज प्रसार के माध्यम से प्राप्त करना बहुत मुश्किल होता है। क्योंकि यह पर–परागण वाली फसल होती है। कटिंग के माध्यम से वानस्पतिक प्रवर्धन काफी कम समय में पूर्ण विकसित मजबूत पौधे प्राप्त करने का सबसे सुविधाजनक और सस्ता तरीका है। बीज के माध्यम से प्रचारित पौधों की तुलना में, कटिंग को जड़ से उखाड़ने और खेत में रोपाई के लिए परिपक्व होने में तुलनात्मक रूप से कम समय की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, यह माना जाता है कि वानस्पतिक प्रसार विधि से किसी विशेष किस्म के सभी लक्षणों के संरक्षण के लिए सही प्रकार के पौधे प्राप्त होते हैं।

3–4 इंच लम्बी कटिंग

रूटिंग हार्मोन

जड़े निकली हुई कटिंग

कलम उगाने की विधि

- गेंदे की कलम लगाने का सबसे अच्छा समय सितंबर से अक्टूबर तक है। पर आप साल भर कटिंग उगा सकते हैं और इसके लिए आप मिस्ट चैंबर का भी उपयोग कर सकते हैं।
- एक छोटे बर्तन में समान मात्रा में रेत, मिट्टी और खाद 1:1:1 के अनुपात में भरकर रूटिंग मीडियम तैयार करें। कटिंग की जड़ से उखाड़ने में मदद के लिए आप बारीक बजरी का भी उपयोग कर सकते हैं।
- तने की नोक से मापते हुए, नरम लकड़ी के विकास से 4 इंच लंबा तने का भाग काटें। तेज कैंची का उपयोग करें और उन तनों का चयन करें जिनमें अभी तक फूल नहीं आए हैं। सॉफ्टवुड के तने नरम और अपरिपक्व हैं जिनमें वर्तमान वर्ष की वृद्धि तथा जो वुडी या कठोर ना हो।
- कटाई के निचले आधे भाग से सभी पत्तियॉ हटा दें। जड़ उत्पादन में मदद करने वाले प्राकृतिक पदार्थ का उत्पादन जारी रखने के लिए शीर्ष पर कुछ पत्तियां छोड़ दे।
- रोपण छेद बनाने के लिए जड़ वाले माध्यम में लगभग 2 इंच की गहराई तक एक पेंसिल डालें। प्लास्टिक कप में लगभग एक इंच रूटिंग हार्मोन डालें।
- प्रत्येक कटिंग के आधार को रूटिंग हार्मोन में डुबोएं और तुरंत अलग–अलग रोपण छेद में रोपें। 2 इंच से अधिक गहरा पौधा न लगाएं।
- कटिंग के चारों ओर मिट्टी को उंगली से दबा कर मजबूत करें। पूरे बर्तन को प्लास्टिक बैग में रखें। बैग को गिरने से बचाने के लिए रूटिंग मीडियम में चॉपस्टिक या लकड़ी की लंबी डंडी चिपका दें। ग्रीनहाउस प्रभाव बनाने के लिए शीर्ष को रबर बैंड से बंद करें।
- बर्तन को सीधे धूप से दूर रखें । हर तीन से चार दिनों में बैग खोलें और रूटिंग माध्यम को नम रखने के लिए पर्याप्त पानी डालें। पानी भरने के बाद बैग को बंद कर दें । कटिंग को जड़ से उखाड़ने मे आमतौर पर कुछ सप्ताह लगते हैं।
- जड़ वाले कलमों को अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी से भरें एक मध्यम आकार के कंटेनर में स्थानांतरित करें। बगीचे में स्थायी स्थान पर रोपाई से पहले पौधों को स्थापित होने दें।